अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 16 फरवरी 2026

PAGE NO,IV, MIDDLE RIGHT

नाटक दूल्हा भाई ने हंसने पर किया मजबूर

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार की शाम विनोद रस्तोगी स्मृति संस्थान, प्रयागराज के कलाकारों ने हास्य नाटक दूल्हा भाई का मंचन कर दर्शकों को ठहाके लगाने पर मजबूर किया। मूल रूप से मराठी भाषा के प्रसिद्ध नाटक का हिंदी रूपांतरण गंगाधर परांजपे ने किया है। इसे कलाकारों ने अपनी जीवंत अदाकारी से यादगार बना दिया।

नाटक की कहानी एक मध्यमवर्गीय परिवार की है, जहां बेटी के विवाह को लेकर माता-पिता की अलग-अलग योजनाएं भारी मुसीबत बन जाती हैं। कथानक उस समय रोचक मोड़ लेता है, जब पति और पत्नी एक-दूसरे से छिपाकर अपनी-अपनी पसंद के लड़कों को बेटी देखने के लिए एक ही समय पर आमंत्रित कर बैठते हैं।

जैसे ही दोनों पक्ष के लोग एक साथ घर में आते हैं, मंच पर कॉमेडी ऑफ एरर्स (भूल-चूक) का जो सिलसिला शुरू होता है, उसने दर्शकों को पेट पकड़कर हंसने पर मजबूर कर दिया। नाटक के स्वप्न दृश्य विशेष रूप से प्रभावी रहे। तमाम उठापटक और गुदगुदाने वाली परिस्थितियों से गुजरते हुए नाटक एक आश्चर्यजनक और सुखद अंत तक पहुंचता है, जहां दूल्हा वही बनता है जिसे किसी ने सोचा भी नहीं था।

रिद्धिमा में प्रयागराज के कलाकारों ने किया नाटक का मंचन

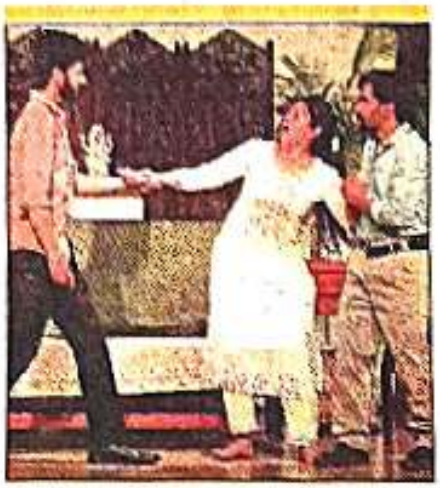

मंचन करते कलाकार। संवाद

वरिष्ठ रंगकर्मी अजय मुखर्जी की परिकल्पना और निर्देशन में सजे इस नाटक में हर पात्र अपनी भूमिका में सटीक बैठा।

मंच पर अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाले कलाकारों में अभिलाष नारायण, निवेदिता दास गुप्ता, आशू, तुषार सौरभ, मधुरिमा बोस, प्रतीक कुमार सिंह, गजेंद्र यादव, शुभम श्रीवास्तव व उत्कर्ष जायसवाल रहे।

इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चैयरमेन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, देविशा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. शैलेश सक्सेना, डॉ. आशीष कुमार, डॉ. रीता शर्मा एवं शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे। संवाद